Sickle cell patient undergoes both hip bones transplantation

STAFF REPORTER / Raipur

Doctors of the Orthopedics Department of Dr. Bhimrao Ambedkar Memorial Hospital, affiliated to Pandit Jawahar Lal Nehru Memorial Medical College, Raipur, have successfully conducted total hip replacement surgery of a 37-year-old patient suffering from sickle cell anaemia.

Dr. (Prof.) Rajendra Ahire, Department of Orthopaedics, said the hip of the patient, a resident of Jashpur, Kunkuri, was completely worn out due to sickle cell anaemia. The patient is now walking like before after the operation.

Dr Ahire said the patient has been suffering from sickle cell anaemia, a genetic disease since childhood. Due to the condition of his disease, the bones on both sides of his waist had worn out and were damaged. The patient had trouble walking since 2014. He was advised to take treatment at Raipur but when he was unable to walk, he approached the hospital

After diagnosis, he was asked for total hip replacement. After which the operation was successfully done. The operation was done free of cost under Ayushman Yojana which could cost lakhs in a private hospital, added Dr Ahire.

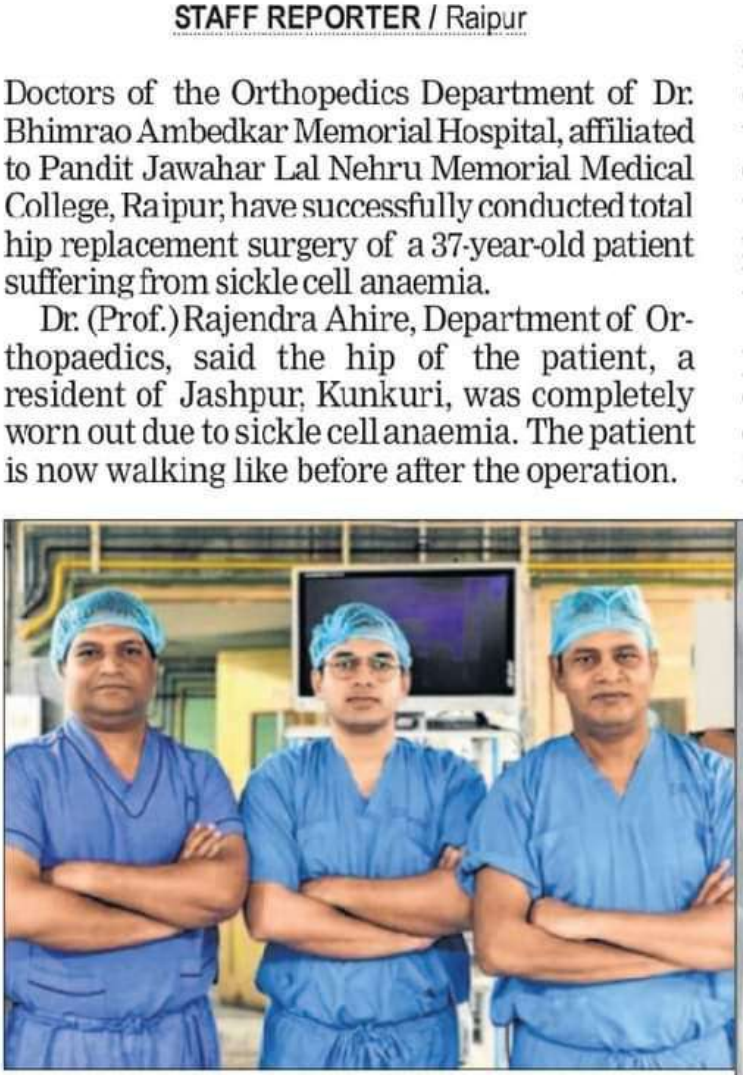

Dr. (Prof.) Rajendra Ahire (Extreme right) with other members of team.

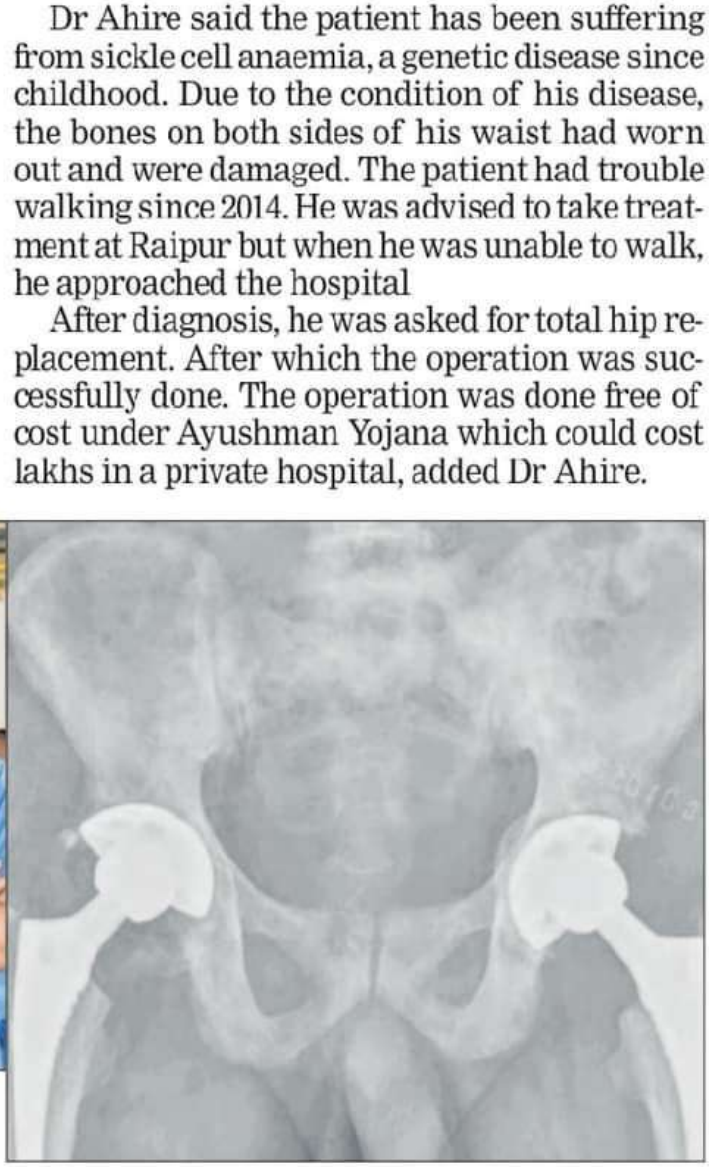

अम्बेडकर अस्पताल के अस्थि रोग विभाग में सिकल सेल पीड़ित मरीज के दोनों कूल्हे की हड्डी का सफल प्रत्यारोपण

■ डॉक्टर (प्रो.) राजेन्द्र अहिरे के नेतृत्व में डॉ. अतिन कुंडू, डॉ. सौरभ जिंदल एवं टीम ने मिलकर किया सफल ऑपरेशन

अमन पथ न्यूज

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग के डॉक्टरों ने सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित 37 वर्षीय मरीज के दोनों कूल्हे की हड्डी का सफल प्रत्यारोपण किया है। मेडिकल भाषा में इस ऑपरेशन को टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी कहते हैं। अस्थि रोग विभाग के डॉक्टर (प्रो.) राजेन्द्र अहिरे के नेतृत्व में हुए इस सफल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी में सिकल सेल एनीमिया के कारण जशपुर, कुनकुरी निवासी मरीज का कूल्हा घिस कर पूरी तरह खराब हो चुका था। कूल्हे की हड्डी के सफल प्रत्यारोपण के बाद मरीज अब पहले की तरह चल-फिर रहा है।

ऑपरेशन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए डॉ. राजेन्द्र अहिरे बताते हैं कि मरीज बचपन से ही सिकल सेल एनीमिया का मरीज है जो कि एक जेनेटिक रोग है। इसमें शरीर में मौजूद रेड ब्लड सेल्स की संरचना पर प्रभाव पड़ता है जो पूरे शरीर में ऑक्सीजन का परिवहन करती है। मरीज की इसी बीमारी के कारण उसके कमर की दोनों ओर की हड्डी घिस कर खराब हो गई थी। मरीज को चलने में तकलीफ 2014 से हुई तो उसने अम्बिकापुर के निजी अस्पताल में दिखाया जहां उसे रायपुर जाने के लिए कहा गया। मरीज की तकलीफ धीरे-धीरे बहुत ज्यादा बढ़ गई और इतना बढ़ गई कि मरीज चलने-फिरने में असमर्थ हो गया। फिर मरीज अम्बेडकर अस्पताल में हमारे ओपीडी में पहुंचा, जहां उसे भर्ती करके उसके खून, एम आर आई, एक्स रे एवं अन्य सभी प्रकार की जांच की गई। जांच रिपोर्ट देखने के बाद उसके कूल्हे की दोनों हड्डी बदलने की सलाह दी गई। इसके बाद मरीज 19 फरवरी 2024 को अम्बेडकर अस्पताल में भर्ती हुआ और दोनों कूल्हे की हड्डी बदली गई जो कि सफल रहा। मरीज अब पूरी तरह से अपने दोनों पांव जमीन पर रख कर चल फिर रहा है और स्वस्थ है। डॉ. राजेन्द्र अहिरे के अनुसार, इस ऑपरेशन को यदि निजी अस्पताल में करवाते तो वहां लाखों रुपये खर्च हो जाते लेकिन अम्बेडकर अस्पताल में यह ऑपरेशन आयुष्मान योजना की सहायता से निःशुल्क हुआ।

ऑपरेशन के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए मरीज का कहना है कि सिकल सेल बीमारी के कारण मैं काफी परेशान हो चुका था। कूल्हे के जोड़ों की हड्डी के घिस जाने के कारण मेरा चलना-फिरना मुश्किल हो गया था। ऑपरेशन के बाद एक उम्मीद की किरण लौटी है कि अब मैं फिर से पहले की तरह चल सकता हूं।

यह जटिल ऑपरेशन अम्बेडकर अस्पताल के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. (प्रो). राजेन्द्र अहिरे, डॉ. अतिन कुंडू, डॉ. सौरभ जिंदल, पीजी डॉक्टर प्रीतम प्रजापति, डॉ. इंतजार, डॉ. श्याम धर और एनेस्थेसिया से डॉ. सोनाली साहू की टीम ने मिलकर किया।

स्वामी असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. रायपुर के लिए प्रकाशक, मुद्रक व संपादक राशिद जाफरी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. पी.एन.बी. के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छत्तीसगढ़) 492001 से मुद्रित कर प्रकाशित, * स्थानीय संपादक रमेश पाण्डेय। फोन: 0

19.03.2024

TheHitavada
Raipur City Line | 2024-03-19 | Page- 1
ehitavada.com

BRAMH performs hip replacement surgery of sickle cell anaemia patient

■ Staff Reporter
RAIPUR, Mar 18

ORTHOPEADIC Department of Dr B R Ambedkar Memorial Hospital (BRAMH), Raipur, created history with a successful total hip replacement surgery of a sickle cell anaemia patient on Monday.

A team of doctors under the leadership of Professor Dr Rajendra Ahire of the Orthopaedic Department of BRAMH, affiliated to Pt Jawaharlal Nehru Memorial Medical College, Raipur, have successfully transplanted both the hip bones of a 37-year-old patient suffering from Sickle Cell Anaemia.

During the diagnosis it was detected that the hip of patient, a resident of Kunkuri, Jashpur was completely damaged due to sickle cell anaemia. After the successful transplantation of the hip by Professor Dr Rajendra Ahire supported by his team, the patient has recovered well and able to walk like before.

Dr Atin Kundu, Dr Saurabh Jindal and Dr Rajendra Ahire of Department of Orthopedics successfully performed the hip replacement surgery of a sickle cell anaemia patient.

Sharing his views on successful operation, Professor Dr Rajendra Ahire said the patient was suffering from sickle cell anemia since childhood. Mainly, sickle cell disease is a genetic disorder wherein red blood cells contort into a sickle shape. The cells die early, leaving a shortage of healthy red blood cells which may result into blockage of blood flow causing sickle cell crisis.

He further said that sickle cell anaemia impacts on the composition of red blood cells present in the body that

(Contd on page 6)

Powered by iDocuments